Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 14 August 2024

Dainik Jagran
Page - 06

बीए आनर्स की 531 अनारक्षित सीटें भरीं

जासं, गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बीए आनर्स प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए सोमवार से शुरू हुई आफलाइन काउंसिलिंग मंगलवार को भी जरी रही। मंगलवार को इस पाठ्यक्रम में कुल 334 अभ्यर्थियों ने प्रवेश लिया। अनारक्षित संवर्ग में क्षैतिज आरक्षण सहित 293 और ईडब्ल्यूएस में 41 अभ्यर्थियों ने प्रवेश लिया। काउंसिलिंग के पहले दिन अनारक्षित वर्ग में 197 अभ्यर्थियों ने प्रवेश लिया था। उसे लेकर काउंसिलिंग के दूसरे तक अनारक्षित वर्ग की 531 सीटें भर गईं। यह संख्या अनारक्षित वर्ग में प्रवेश के लिए निर्धारित सीटों की करीब आधी है।

प्रवेश समन्वयक प्रो. मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि अनारक्षित वर्ग में प्रवेश के लिए प्रथम काउंसिलिंग का बुधवार को आखिरी दिन होगा।

बुधवार को सुबह 10 बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे तक छूटे हुए और प्रवेश परीक्षा में 86 अंक तक पाने वाले अभ्यर्थियों का प्रवेश होगा। दोपहर एक बजे से शाम साढ़े तीन बजे तक 84 अंक तक पाने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश का अवसर दिया जाएगा। इसके अलावा सुबह साढ़े 10 बजे से अनारक्षित संवर्ग के क्षैतिज आरक्षण (फ्रीडम फाइटर, पीएच, वीएच, ईडीपी, केडब्ल्यूएस, केएम, डब्ल्यूडीपी) के समस्त अभ्यर्थियों का प्रवेश होगा। इसके साथ ही दोपहर एक बजे से शाम साढ़े तीन बजे तक ईडब्ल्यूएस के समस्त अभ्यर्थियों का प्रवेश लिया जाएगा।

Amar Ujala
Page - 07

स्वर्ण पदक के लिए मेधावी करें 16 तक आवेदन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 30 अगस्त को होने वाले दीक्षांत समारोह में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की ओर से दो स्वर्ण पदक प्रदान किए जाने हैं। स्नातक और परास्नातक के एक-एक विद्यार्थी को यह पदक दिया जाएगा। डीएसएसएसयू प्रो. अनुभूति दुबे ने बताया कि पीजी और यूजी उत्तीर्ण किए विद्यार्थियों ने शैक्षणिक के साथ खेल, सांस्कृतिक, बौद्धिक, एनसीसी, एनएसएस में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, वे इस पदक के लिए 16 अगस्त तक आवेदन करें। संवाद

'शाहनामा' और 'कामायनी' पढ़ेंगे एमए अंग्रेजी के विद्यार्थी

पाठ्यक्रम में हुआ बदलाव, साहित्यिक धरोहरों को किया गया शामिल

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में एम एवं अंग्रेजी के विद्यार्थी अब ग्रीक, लैटिन और फिरदौसी की 'शाहनामा', जयशंकर प्रसाद की 'कामायनी' और कालिदास की 'अभिज्ञानशाकुंतलम' भी पढ़ेंगे। इसे लेकर विभाग ने सिलेबस तैयार कर लिया है। इसी सत्र से विद्यार्थी इसका अध्ययन करेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत, अंतर-विषयक और समग्र शिक्षा की दिशा में विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने एमए चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में बदलाव कर दिया है। इसमें विद्यार्थियों को विभिन्न संस्कृतियों और सभ्यताओं में साहित्यिक धरोहरों का गहन अध्ययन कराया जाएगा।

पाठ्यक्रम की प्रमुख इकाई में 'वाल्मीकि रामायण', 'तुलसीदास की रामचरितमानस', तमिल साहित्य की सर्वोत्कृष्ट कृति कंबन की रामावतारम या कंब रामायण का तुलनात्मक अध्ययन शामिल है। इसके साथ ही ग्रीक लेखक 'होमर की ओडिसी', 'वर्जिल की लैटिन महाकाव्य एनीड', अंग्रेजी कवि मिल्टन का महाकाव्य पैराडाइस लॉस्ट 'फारसी कवि फिरदौसी की शाहनामा' और हिंदी के प्रख्यात लेखक 'जयशंकर प्रसाद की कामायनी' जैसे महत्वपूर्ण महाकाव्यों का अध्ययन भी कराया जाएगा।

यह विद्यार्थियों को प्राचीन और मध्यकालीन साहित्यिक परंपराओं के वैश्विक दृष्टिकोण से परिचित कराएगा।

डीडीयू : मलेशिया की इंटी यूनिवर्सिटी के साथ ड्युअल प्रोग्राम

गोरखपुर। ज्वाइंट, ट्विनिंग और ड्युअल प्रोग्राम शुरू करने के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय मलेशिया की इंटी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने एमओयू करेगा। इंटी यूनिवर्सिटी क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में दुनिया में 516वें स्थान पर है। इसे लेकर दोनों विश्वविद्यालय प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं।

ज्वाइंट डिग्री के तहत दोनों विश्वविद्यालय मिलकर कोर्स तैयार करेंगे। उस डिग्री पर दोनों संस्थानों का नाम रहेगा। इंटी के लीगल विभाग ने इस पर सहमति दे दी है।

ड्युअल डिग्री के तहत डीडीयू के छात्र को अपने विश्वविद्यालय से कम से कम 30 प्रतिशत क्रेडिट हासिल करना होगा। विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल के निदेशक डॉ. रामवंत गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान अयोग (यूजीसी) ने ज्वॉइंट, ट्विनिंग या ड्युअल प्रोग्राम को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

छात्र हित में है डीडीयू का सुधार पोर्टल

गोरखपुर। स्वतित्रयोत्तर महाविद्यालय प्रबंधक महासभा के कार्यकर्ताओं की बैठक बीरेकमल पांडेय की अध्यक्षता में महासभा के कार्यालय पर संपन्न हुई। इसमें 'सुधार' पोर्टल शुरू किए जाने पर गोरखपुर विश्वविद्यालय को कुलपति प्रो. पूनम टंडन के प्रति आभार व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि छात्र हित में कुलपति ने अच्छा निर्णय लिया है। इस अवसर पर महामंत्री डॉ. सुधीर राय, भगत राय, अखिलेश पांडेय, पंकज सिंह, राम नरेश यादव आदि मौजूद रहे। संवाद

Hindustan
Page - 06

मलेशिया के इंटी विवि से एमओयू करेगा डीडीयू

करार

- ज्वाइंट, ट्विनिंग और ड्युअल प्रोग्राम शुरू करने की तैयारी
- क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में 516वें स्थान पर है इंटी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय अब मलेशिया के आईटी संस्थान इंटी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से एमओयू करेगा। यह एतलिक्वित है, क्योंकि इंटी यूनिवर्सिटी क्यूएस वार्ल्ड रैंकिंग में दुनिया में 516 स्थान पर है। इसे लेकर दोनों विश्वविद्यालय प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। इसी महीने यह एमओयू होने की संभावना है।

डीडीयू के इंटरनेशनल सेल के निदेशक डॉ रामवंत गुप्ता के मुताबिक मलेशिया के ज्वाइंट, ट्विनिंग या ड्युअल प्रोग्राम को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मलेशिया इंटी यूनिवर्सिटी की क्यूएस वार्ल्ड रैंकिंग 516 है। इस निदान से उसके साथ एमओयू किया जा सकता है।

> मलेशिया का इंटी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी दुनिया के अपनी विश्वविद्यालयों में से एक है। उसके साथ ज्वाइंट, ट्विनिंग और ड्युअल प्रोग्राम पर इसी महीने एमओयू हो जाएगा। इसमें डीडीयू और छात्रों को भी फायदा होगा।
> -डॉ. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

ट्विनिंग प्रोग्राम से शुरुआत : एमओयू के बाद तात्कालिक रूप से ट्विनिंग प्रोग्राम शुरू किए जाने की योजना है। इसके बाद ज्वाइंट, ट्विनिंग और ड्युअल प्रोग्राम पर इसी महीने एमओयू हो जाएगा। इसमें डीडीयू और छात्रों को भी फायदा होगा।

-डॉ. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

डीडीयू के छात्र-छात्राओं को मलेशिया की इंटी यूनिवर्सिटी की बहुमूल्य वार्ल्ड रैंकिंग 516 है। इस निदान से उसके साथ एमओयू किया जा सकता है।

Inext Page -04

'सुधार' पोर्टल बना समस्या समाधान का आधार

हपते भर में पोर्टल के जरिये निस्तारित हुई ढाई हजार से अधिक समस्याएं

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (13 August): परीक्षा परिणाम, एबीसी/अपार आइडी अपडेट, विषय परिवर्तन, नाम, पिता व माता का नाम, जन्मतिथि में सुधार सहित समस्याओं के समाधान के लिए विश्वविद्यालय की भागदौड़ और परेशानी पर विराम लगाने के लिए पोर्टल लांच करने का दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का निर्णय सफल होता दिखने लगा है. इसके लिए लांच 'सुधार' (स्टूडेंट यूटिलिटी फार डॉक्यूमेंट हैंडलिंग एंड एकेडमिक रेक्टिफिकेशंस) पोर्टल विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान का आधार बनने लगा है. लांच होने के बाद एक सप्ताह में इस पोर्टल के जरिये 2657 आवेदनों का निस्तारण हो जाना इसकी सफलता का प्रमाण है. पोर्टल की सफलता पर स्व-वित्तपोषित कालेज के प्रबंधकों ने भी मुहर लगाई है. उन्होंने इसके लिए बैठक कर कुलपति के प्रति आभार ज्ञापित किया है.

पोर्टल किया लांच

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने पिछली छह अगस्त को 'सुधार' पोर्टल लांच किया था. उसके बाद सप्ताह भर में इस पोर्टल पर समस्या के समाधान के लिए कुल 3185 आवेदन आए, जिनमें से 2657 आवेदनों का निस्तारण कर दिया गया. बाकी बचे 527 आवेदन के निस्तारण पर कार्य चल रहा है. इस पोर्टल के लांच होने से सबसे ज्यादा सहूलियत अपूर्ण परीक्षा परिणाम वाले अंकपत्र पाने वाले विद्यार्थियों को मिली है.

भागदौड़ से निजात

उन्हें अंकपत्र से अपूर्ण शब्द हटवाने के लिए परीक्षा नियंत्रक कार्यालय की भागदौड़ से निजात मिली है. जिन आवेदन का निस्तारण हुआ है, उनमें सर्वाधिक 1371 आवेदन अंकपत्र को अपूर्ण से पूर्ण कराने के लिए ही आए थे. दरअसल विद्यार्थियों की यह समस्या विश्वविद्यालय के लिए समस्या बन गई थी. विश्वविद्यालय को इसके लिए आने दिन विद्यार्थियों के विरोध-प्रदर्शन का सामना करना पड़ता था.

पारदर्शी बनी प्रक्रिया

इस पोर्टल के माध्यम से छात्र व्यक्तिगत रूप से या परीक्षा विभाग के कर्मचारियों के माध्यम से अपनी समस्याओं की जानकारी विश्वविद्यालय को दे सकते हैं. विद्यार्थी सीधे पोर्टल के माध्यम से भी अपने आवेदन की स्थिति भी देख कर सकते हैं. इससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और विद्यार्थियों के अनुकूल हो गई है. विश्वविद्यालय द्वारा पोर्टल के जरिये आए समस्या समाधान के आवेदन का सप्ताह भर में निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है. कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा पोर्टल पर आए आवेदनों के निस्तारण की निगरानी वह खुद कर रही हैं. लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी व कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

उद्देश्य कर रहा पूरा

स्व-वित्तपोषित महाविद्यालय प्रबंधक महासभा के महामंत्री डा. सुधीर कुमार राय ने कहा है कि विश्वविद्यालय ने जिस उद्देश्य के साथ 'सुधार' पोर्टल लांच किया है, वह उद्देश्य पूरा हो रहा है. इसके माध्यम से अब छात्रों को अपूर्ण हटवाने, नाम परिवर्तन एवं अन्य कमियों को ठीक कराने के लिए विश्वविद्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ रहा. इसके लिए कुलपति बधाई की पात्र हैं. डा. राय मंगलवार को महासभा की ओर से आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे. बीरेकमल पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में प्रभात राय, अखिलेश पांडेय, हरेकृष्ण, अंबरीश मल्ल, भानु सिंह, रामनरेश यादव, राज श्रीवास्तव, अजय यादव आदि प्रबंधक मौजूद रहे.

Amar Ujala Select
Page - 02, 04

मलेशिया की इंटी यूनिवर्सिटी के साथ ड्युअल प्रोग्राम शुरू करेगा डीडीयू

गोरखपुर। ज्वाइंट, ट्विनिंग और ड्युअल प्रोग्राम शुरू करने के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय मलेशिया की इंटी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से एमओयू करेगा। इंटी यूनिवर्सिटी क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में दुनिया में 516वें स्थान पर है। इसे लेकर दोनों विश्वविद्यालय प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं।

ज्वाइंट डिग्री के तहत दोनों विश्वविद्यालय मिलकर कोर्स तैयार करेंगे। उस डिग्री पर दोनों संस्थानों का नाम रहेगा। इंटी के लीगल विभाग ने इस पर सहमति दे दी है।

ड्युअल डिग्री के तहत डीडीयू के छात्र को अपने विश्वविद्यालय से कम से कम 30 प्रतिशत क्रेडिट हासिल करना होगा। विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल के निदेशक डॉ. रामवंत गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान अयोग (यूजीसी) ने ज्वॉइंट, ट्विनिंग या ड्युअल प्रोग्राम को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

'शाहनामा' व 'कामायनी' पढ़ेंगे अंग्रेजी के विद्यार्थी

पाठ्यक्रम में हुआ बदलाव साहित्यिक धरोहरों को किया गया शामिल

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अब एमए अंग्रेजी के विद्यार्थी अंग्रेजी, लैटिन और ग्रीक महाकाव्यों के साथ फिररदौसी की 'शाहनामा', जयशंकर प्रसाद की 'कामायनी' और कालिदास की 'अभिज्ञानशाकुंतलम' भी पढ़ेंगे। अंग्रेजी विभाग ने इसे पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया है। इसी सत्र से विद्यार्थी इसका अध्ययन करेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत, अंतर-विषयक और समग्र शिक्षा की दिशा में विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने एमए चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में बदलाव कर दिया है। इसमें विद्यार्थियों को विभिन्न संस्कृतियों और सभ्यताओं में साहित्यिक धरोहरों का गहन अध्ययन कराया जाएगा।

पाठ्यक्रम की प्रमुख इकाई में 'वाल्मीकि रामायण', 'तुलसीदास की रामचरितमानस', तमिल साहित्य की सर्वोत्कृष्ट कृति कंबन की रामावतारम या कंब रामायण का तुलनात्मक अध्ययन शामिल है। इसके साथ ही ग्रीक लेखक 'होमर की ओडिसी', 'वर्जिल की लैटिन महाकाव्य एनीड', अंग्रेजी कवि मिल्टन का महाकाव्य पैराडाइस लॉस्ट 'फारसी कवि फिरदौसी की शाहनामा' और हिंदी के प्रख्यात लेखक 'जयशंकर प्रसाद की कामायनी' जैसे महत्वपूर्ण महाकाव्यों का अध्ययन भी कराया जाएगा।

यह विद्यार्थियों को प्राचीन और मध्यकालीन साहित्यिक परंपराओं के वैश्विक दृष्टिकोण से परिचित कराएगा।

Swatantra Chetna
Page - 04

ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ एवं ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ कि स्मृति में छात्र- छात्राओं को मिलेगा स्वर्ण पदक

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गो. विश्वविद्यालय का दीक्षान्त समारोह 30 अगस्त को होना सुनिश्चित किया गया है।

जिसमें सत्र 2023-2024 के चयनित छात्र/छात्राओं को भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मंत्री / प्रबन्धक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्तश्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदत्त निम्न स्वर्ण पदक दिया जाना है ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक, ऐसे छात्र/छात्रा को दिया जाना है जिसने स्नातकोत्तर स्तर पर शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ खेल-कूद, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक कार्यक्रम तथा एन०सी०सी० एवं एन०एस०एस० के कार्यक्रमों में समस्त महाविद्यालयों सहित विश्वविद्यालय

में सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो ब्रह्मलीन महन्त अवैद्यनाथ स्वर्ण पदक, ऐसे छात्र/छात्रा को दिया जाना है जिसने स्नातक स्तर पर शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ खेल-कूद, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक कार्यक्रम तथा एन०सी०सी० एवं एन०एस०एस० के कार्यक्रमों में समस्त महाविद्यालयों सहित विश्वविद्यालय में सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो। उक्त पदकों के लिए तीन छात्र/छात्रा का नाम वरिष्ठता क्रम में चयन किया जायेगा।

अनारक्षित तृतीय सूची, ईडब्ल्यूएस एवं विशेष क्षैतिज आरक्षण का प्रवेश आज

विश्वविद्यालय में बी.ए. प्रथम वर्ष 2024-25 के दूसरे दिन प्रवेश दीक्षा भवन में सम्पन्न हुआ। दूसरे दिन कुल मिलाकर बीए में 334 प्रवेश किया गया। अनारक्षित संवर्ग में क्षैतिज आरक्षण सहित 293 एवं ईडब्ल्यूएस में 41 प्रवेश हुए हैं। प्रवेश समन्वयक प्रो. मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि आज दिनाँक 14 को बी.ए. प्रथम वर्ष में प्रातः 10:00 बजे 12:30 तक पूर्व के छूटे हुए एवं 86 अंक तक समस्त अभ्यर्थियों का प्रवेश होगा। अपराह्न 1:00 बजे से 3:30 बजे 84 अंक तक के प्रवेशार्थियों का प्रवेश होगा। पूर्वाह्न 10:30 से अनारक्षित संवर्ग के क्षैतिज आरक्षण (फ्रीडम फाइटर, पीएच, वीएच, ईडीपी, केडब्ल्यूएस, केएम, डब्ल्यूडीपी) के समस्त अभ्यर्थियों का प्रवेश होगा। इसी के साथ अपराह्न 1:00 बजे से 3:30 बजे तक ईडब्ल्यूएस के समस्त अभ्यर्थियों का प्रवेश होगा। अपराह्न 1:00 बजे से 3:30 बजे 84 अंक तक के प्रवेशार्थियों का प्रवेश होगा। पूर्वाह्न 10:30 से अनारक्षित संवर्ग के क्षैतिज आरक्षण (फ्रीडम फाइटर, पीएच, वीएच, ईडीपी, केडब्ल्यूएस, केएम, डब्ल्यूडीपी) के समस्त अभ्यर्थियों का प्रवेश होगा। इसी के साथ अपराह्न 1:00 बजे से 3:30 बजे तक ईडब्ल्यूएस के समस्त अभ्यर्थियों का प्रवेश होगा। अपराह्न 1:00 बजे से 3:30 बजे 84 अंक तक के प्रवेशार्थियों का प्रवेश होगा। पूर्वाह्न 10:30 से अनारक्षित संवर्ग के क्षैतिज आरक्षण (फ्रीडम फाइटर, पीएच, वीएच, ईडीपी, केडब्ल्यूएस, केएम, डब्ल्यूडीपी) के समस्त अभ्यर्थियों का प्रवेश होगा। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर प्रवेश कार्य स्थगित रहेगा। 16 अगस्त को प्रवेश कार्य पुनः शुरू होगा, जिसका कटऑफ आज दिनांक 14 अगस्त को सायं जारी किया जाएगा। प्रवेशार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट और समाचार पत्रों में प्रवेश के अगले कटऑफ की जानकारी करते रहेंगे।

देव व दानव, दोनों के लिए गुरु का महत्व: प्रो.राजवंत

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर।दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग में ह्रादीक्षारम्भ समारोहह्न का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्रो. राजवंत राव ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परम्परा में माता एवं गुरु का स्थान सर्वोपरि है। माता और गुरु, मनुष्य के जीवन को सर्वोच्च लक्ष्य प्राप्त करने की दृष्टि प्रदान करते हैं। देव व दानव, दोनों में गुरु का महत्व था। देवता जो दिव्य एवं स्वयं सिद्ध थे उन्हें भी मार्गदर्शन हेतु गुरु की आवश्यकता थी। भारतीय परम्परा में श्रावणी पूर्णिमा को दीक्षारम्भ होता है और शारदीय पूर्णिमा को दीक्षान्त होता है। उल्लेखनीय है कि यह परम्परा श्रावणी पूर्णिमा को कृष्ण से संबद्ध करती है।

विभाग की अध्यक्षा प्रो० प्रज्ञा चतुर्वेदी ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि दीक्षारम्भ एवं दीक्षान्त की हमारी सनातन परम्परा रही है। हमारा विभाग भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बद्ध रहा है।

विभाग की गौरवपूर्ण परम्परा, विभाग का ध्येय वाक्य और विभाग के वास्तु विन्यास के बारे में छात्रों को अवगत कराया।

Nikbhik India

बी.ए. प्रथम वर्ष में अनारक्षित तृतीय सूची, ईडब्ल्यूएस एवं विशेष क्षैतिज आरक्षण का प्रवेश आज

गोरखपुर, संवाददाता- आज दिनाँक 13/08/2024 को विश्वविद्यालय में बी.ए. प्रथम वर्ष 2024-25 के दूसरे दिन प्रवेश दीक्षा भवन में सम्पन्न हुआ। दूसरे दिन कुल मिलाकर बीए में 334 प्रवेश किया गया। अनारक्षित संवर्ग में क्षैतिज आरक्षण सहित 293 एवं ईडब्ल्यूएस में 41 प्रवेश हुए हैं।

प्रवेश समन्वयक प्रो. मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि आज दिनाँक 14 /08/2024 को बी.ए. प्रथम वर्ष में प्रातः 10:00 बजे 12:30 तक पूर्व के छूटे हुए एवं 86 अंक तक समस्त अभ्यर्थियों का प्रवेश होगा। अपराह्न 1:00 बजे से 3:30 बजे 84 अंक तक के प्रवेशार्थियों का प्रवेश होगा। पूर्वाह्न 10:30 से अनारक्षित संवर्ग के क्षैतिज आरक्षण (फ्रीडम फाइटर, पीएच, वीएच, ईडीपी, केडब्ल्यूएस, केएम, डब्ल्यूडीपी) के समस्त अभ्यर्थियों का प्रवेश होगा। इसी के साथ अपराह्न 1:00 बजे से 3:30 बजे तक ईडब्ल्यूएस के समस्त अभ्यर्थियों का प्रवेश होगा। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मद्देनज़र प्रवेश कार्य स्थगित रहेगा। 16 अगस्त को प्रवेश कार्य पुनः शुरू होगा, जिसका कटऑफ आज दिनांक 14 अगस्त को सायं जारी किया जाएगा। प्रवेशार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट और समाचार पत्रों में प्रवेश के अगले कटऑफ की जानकारी करते रहेंगे।

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग में दीक्षारम्भ

गोरखपुर, संवाददाता- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग में हदीक्षारम्भ समारोहह्न का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करती हुए प्रो. राजवंत राव ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परम्परा में माता एवं गुरु का स्थान सर्वोपरि है। माता और गुरु, मनुष्य के जीवन को सर्वोच्च लक्ष्य प्राप्त करने की दृष्टि प्रदान करती है। देव व दानव, दोनों में गुरु का महत्व था। देवता जो दिव्य एवं स्वयं सिद्ध थे उन्हें भी मार्गदर्शन हेतु गुरु की आवश्यकता थी। भारतीय परम्परा में श्रावणी पूर्णिमा को दीक्षारम्भ होता है और शारदीय पूर्णिमा को दीक्षान्त होता है। उल्लेखनीय है कि यह परम्परा श्रावणी पूर्णिमा को कृष्ण से संबद्ध करती है।

विभाग की अध्यक्षा प्रो० प्रज्ञा चतुर्वेदी ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि दीक्षारम्भ एवं दीक्षान्त की हमारी सनातन परम्परा रही है। हमारा विभाग भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बद्ध रहा है।

विभाग की गौरवपूर्ण परम्परा, विभाग का ध्येय वाक्य और विभाग के वास्तु विन्यास के बारे में छात्रों को अवगत कराया।

प्रो० लीलता प्रताप सिंह ने विषय के महत्व को बताते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं में प्राचीन इतिहास विषय की उपयोगता एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। प्रो० दिनेश्वर लाल मौर्य, प्रो० कमलेश कुमार गौतम, प्रो० ध्यानसिंह नारायण पूजा एवं डॉ कनिष्क यादव ने सहयोग छात्र-छात्राओं को सम्बोधित किया।

इस अवसर पर प्रो. दिनेश्वर लाल मौर्य द्वारा छात्र-छात्राओं को हरी टेरिन के बोर्ड में जागरूक किया गया एवं विभिन्न विभागों की गतिविधियों से परिचय कराया गया।

इसके साथ ही ऊपरा सरकार द्वारा चलाये जा रहे महात्मा गांधी कार्यक्रम के तहत विभाग में उपस्थित सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को महात्मा गांधी शपथ दी।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिवेंद्र कुमार तथा आभार आचार्य डॉ पदमाजा सिंह द्वारा किया गया।